No. of Printed Pages : 3

BSKE–141

स्नातक कला उपाधि कार्यक्रम (सामान्य) संस्कृत

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एस.के.ई-141 : आयुर्वेद के मूल आधार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों ही खण्डों से प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक दिए गए हैं।*

खण्ड—अ

1. अधोलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5×15=75

   (क) आयुर्वेद का तात्पर्य, लक्ष्य और पद्धतियों पर प्रकाश डालिए।

   (ख) आयुर्वेद के अनुसार वर्षा ऋतु के पथ्य और अपथ्य पर लेख लिखिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ग) आयुर्वेद में अष्टविध रोगी की परीक्षण विधि पर लेख लिखिए।

(घ) स्वास्थ्य के आधार घटकों को विस्तार से लिखिए।

(ङ) आयुर्वेदीय शारीरम् पर प्रकाश डालिए।

(च) प्रमुख उपनिषदों के प्रतिपाद्य विषय को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—ब

2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए : 3×5=15

(i) व्यायाम के लाभ

(ii) अष्टविध आयतन

(iii) तैत्तिरीयोपनिषद्

(iv) ग्रीष्म ऋतु में अपथ्य

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 10

अन्नं न निन्द्यात् तद्वतम्। प्राणो वा अन्नम् शरीरमन्नादम्। प्राणे शरीरं प्रतिष्ठितम्। शरीरे प्राणः प्रतिष्ठितः। तदेतदन्नमन्ने प्रतिष्ठितम्। स य एतदन्नमन्ने प्रतिष्ठितं वेद प्रतितिष्ठति। अन्नवानन्नादो भवति। महान भवति प्रजया पशुभिर्ब्रह्मवर्चसेन। महान कीर्त्या।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

अथवा

मनोब्रह्मेति व्यजानात्। मनसो ह्येव खल्विमानि भूतानि जायन्ते। मनसा जातानि जीवन्ति। मनः प्रयन्त्यभिसंविशन्तीति। तद्विज्ञाय पुनरेव वरुणं पितरमुपससार। अधीहि भगवो ब्रह्मेति। तं होवाच। तपसा ब्रह्म विजिज्ञासस्व। तपो ब्रह्मेति। स तपोऽतप्यत। स तपस्तप्तवा।

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com